

ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश
झालरौदा डोलोमाइट खनन परियोजनाओं के लिए पर्यावरणीय मंजूरी
कुल खान क्षेत्र 9.589 हेक्टेयर

क्र .	आवेदक	टीओआर की संख्या और तारीख	भूमि खसरा	आवेदित पट्टे का क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	वार्षिक उत्पादन क्षमता (टन)में	आवेदित भूमि का पता	क्लस्टर क्षेत्र (हेक्टेयर)
1	मेसर्स छत्तीसगढ़ रिसोर्सेस पार्टनर श्री संजय छापरिया अग्रवाल	TO24B0108CG5 990876N, दिनांक 10/09/2025	19/1 ख, 19/2, 19/3, 19/4, 19/5, 19/11(भाग), 19/14, 19/16, 19/17, 19/18, 19/19, 19/20, 19/21, 19/23, 21, 22/1-22/5, 22/2, 22/3, 22/4, 23/1, 23/2, 23/3, 24, 25/1, 25/2, 26, 27, 28 और 32	9.589	3,00,050	ग्राम – झालरौदा, तहसील– जैजैपुर, जिला–सक्ती छत्तीसगढ़	43.086

आवेदक का नाम और पता

प्रस्तावक – संजय छापरिया अग्रवाल (पार्टनर)

पता– ए.जी.–15, राजीव प्लाजा, पुराना बस स्टैंड रोड

तहसील और जिला – बिलासपुर (छ.ग.)

पिन कोड – 495001

पर्यावरण सलाहकार

अल्ट्रा टेक

(पर्यावरण प्रयोगशाला और परामर्श)

एनएबीईटी मान्यता प्राप्त ईआईए परामर्श संगठन

NABET प्रत्यायन संख्या – NABET/EIA/24-27/RA/0378

वैधता – 18/10/2027 तक

विषयसूची

1.0 परियोजना का नाम और स्थान.....	3
2.0 उत्पादन एवं क्षमता.....	3
3.0 भूमि, कच्चा माल, पानी, बिजली, ईंधन की आवश्यकता और आपूर्ति का	3
4.0 प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण, विशेष रूप से गैसीय उत्सर्जन, तरल अपशिष्ट और ठोस/खतरनाक अपशिष्ट का संकेत	4
5.0 पर्यावरण पर प्रभाव को कम करने के उपाय तथा निर्वहन या निपटान का तरीका	5
6.0 परियोजना की पूंजीगत लागत पूरा होने का अनुमानित समय	5
7.0 परियोजना के लिए चयनित स्थल-भूमि की प्राकृतिक स्थिति – कृषि एकल/दोहरी फसल, बंजर सरकारी/निजी भूमि अधिग्रहण की स्थिति निकटवर्ती 2-3 किमी के भीतर जल निकाय जनसंख्या 10 किमी के भीतर अन्य उद्योग वन पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र सुगम्यता	5
8.0 आधारभूत पर्यावरणीय आँकड़े – वायु गुणवत्ता, सतही और भूजल गुणवत्ता मिट्टी विशेषताएँ, वनस्पति और जीव-जन्तु सामाजिक-आर्थिक स्थिति आस-पास की आबादी	6
9.0 खतरनाक सामग्री के संचालन, प्रसंस्करण और भंडारण में खतरों की पहचान और जोखिम को कम करने के लिए सुरक्षा प्रणाली प्रदान की गई	7
10.0 पर्यावरण का वायु जल भूमि वनस्पति-जीव तथा आस-पास की आबादी पर संभावित प्रभाव.....	8
11.0 प्राकृतिक या संयंत्र आपात स्थिति के मामले में आपातकालीन तैयारी योजना.....	9
12.0 जन सुनवाई के दौरान उठाए गए मुद्दे.....	9
13.0 सीएसआर/सीईआर योजना.....	9
14.0 व्यावसायिक स्वास्थ्य उपाय.....	10
15.0 परियोजना पश्चात निगरानी योजना	10

कार्यकारी सारांश

1.0 परियोजना का नाम और स्थान

प्रस्तावित झालरौंदा डोलोमाइट खनन परियोजना क्षेत्रफल 9.589 हेक्टेयर, ग्राम झालरौंदा, तहसील जैजैपुर जिला सक्ती, राज्य छत्तीसगढ़ के खसरा क्रमांक 19/1 ख, 19/2, 19/3, 19/4, 19/5, 19/11(भाग), 19/14, 19/16, 19/17, 19/18, 19/19, 19/20, 19/21, 19/23, 21, 22/1-22/5, 22/2, 22/3, 22/4, 23/1, 23/2, 23/3, 24, 25/1, 25/2, 26, 27, 28 और 32 में स्थित है। परियोजना का एलओआई मेसर्स छत्तीसगढ़ रिसोर्सज (भागीदार – संजय छापरिया अग्रवाल) के पक्ष में पत्र संख्या एफ3-10/2023/12, नवा रायपुर दिनांक 08/07/2024 के माध्यम से जारी किया गया है।

यह खनन परियोजना ईआईए अधिसूचना 2006 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार श्रेणी बी1 परियोजना या गतिविधि 1(ए) के अंतर्गत वर्गीकृत है और इसका मूल्यांकन एसईएसी, छत्तीसगढ़ द्वारा किया जाएगा। यह पट्टा 9.589 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए एक व्यक्तिगत परियोजना है। 15 जनवरी 2016 की ईआईए अधिसूचना और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पत्र संख्या L-11011/175/2018-IA-II (M) दिनांक 12.12.2018 और एनजीटी के 13 सितंबर 2018 के आदेश के अनुसार, श्रेणी बी2 के अंतर्गत आने वाले 5 से 25 हेक्टेयर तक के सभी क्षेत्र को क्लस्टर स्थिति सहित बी1 माना जाएगा और इसलिए यह बी1 श्रेणी की परियोजना है।

2. उत्पादन एवं क्षमता

परियोजना का अनुमानित क्षेत्रफल 9.589 हेक्टेयर है। परियोजना की प्रस्तावित क्षमता 3,00,050 टन/वर्ष है।

3. भूमि, कच्चा माल, पानी, बिजली, ईंधन की आवश्यकता और आपूर्ति का स्रोत –

- **भूमि क्षेत्रफल** : कुल भूमि क्षेत्रफल 9.589 हेक्टेयर है।
- **कच्चा माल** : डोलोमाइट पत्थर के खनन के लिए किसी कच्चे माल की आवश्यकता नहीं होती है।
- **पानी** : कुल जल आवश्यकता लगभग 9.50 केएलडी होगी, जिसमें से 8.50 केएलडी धूल नियंत्रण और वृक्षारोपण में उपयोग किया जाएगा। शेष 1.00 केएलडी घरेलू प्रयोजनों (पेयजल) के लिए उपयोग किया जाएगा। जल टैंकों से और संबंधित ग्राम पंचायतों से टैंकों के माध्यम से एकत्र किया जाएगा।

- **बिजली** – खनन कार्य के लिए श्रमिकों और प्रशासनिक भवन को छोड़कर किसी भी अन्य कार्य हेतु बिजली की आवश्यकता नहीं है। बिजली राज्य विद्युत बोर्ड से प्राप्त होगी। पट्टा क्षेत्र में विद्युत लाइन उपलब्ध है।
- **ईंधन** : खनन कार्यों और ट्रैक्टर व अन्य परिवहन वाहनों के संचालन हेतु ईंधन के रूप में डीजल का उपयोग किया जाएगा। ईंधन की मात्रा परिवहन वाहन, अन्य मशीनरी के उपयोग और अनुमानित उत्पादन की उपलब्धि के स्तर पर निर्भर करेगी। डीजल की आपूर्ति निकटवर्ती डीजल पंपों से की जाएगी।

4. प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण, विशेष रूप से गैसीय उत्सर्जन, तरल अपशिष्ट और ठोस/खतरनाक अपशिष्ट का संकेत –

- **गैसीय उत्सर्जन** –
 - 1) स्थिर स्रोत – शून्य
 - 2) गतिशील स्रोत – डीजल चालित ट्रैक्टरों, उत्खनन मशीनों आदि के उपयोग के कारण SO_x और NO_x का उत्सर्जन हो सकता है।
- **तरल अपशिष्ट** – केवल घरेलू अपशिष्ट उत्पन्न होने की उम्मीद है जिसका उपचार सेप्टिक टैंक और उसके बाद सोख गड्ढों के माध्यम से किया जाएगा।
- **ठोस अपशिष्ट**– खदान से कोई भी निम्न-श्रेणी/अपशिष्ट खनिज उत्पन्न नहीं होगा। सभी ROM (Run of Mining) खनिज पत्थर की खदानों में भवन और निर्माण सामग्री के रूप में उपयोगी और विक्रय योग्य हैं। इसलिए कोई भी निम्न-श्रेणी या अस्वीकृत खनिज उत्पन्न नहीं होगा जिसके लिए उचित निपटान प्रबंधन योजना की आवश्यकता हो।

- **माईन अपशिष्ट** –

1) ऊपरी मिट्टी

- खदान क्षेत्र से कुल 20,870 घन मीटर ऊपरी मृदा उत्पन्न होगी।
- 4,338 घन मीटर ऊपरी मृदा को 1649.67 मीटर लंबे सुरक्षा क्षेत्र (खदान सीमा) के 4.50 मीटर चौड़े बाहरी भाग पर अधिकतम 1 मीटर ऊँचाई और 28 डिग्री ढलान के साथ जमा किया जाएगा और वृक्षारोपण किया जाएगा।
- शेष 16,532 घन मीटर ऊपरी मृदा को पट्टा क्षेत्र के भीतर भूमि के अप्रयुक्त या पुनः प्राप्त भाग पर संरक्षित किया जाएगा।

2) ओवरबर्डन –

- खदान क्षेत्र से कुल 66,784 घन मीटर ओवरबर्डन उत्पन्न हुआ।
- ओवरबर्डन का उपयोग पट्टा क्षेत्र के भीतर खदान के रैंप और ढुलाई मार्ग के विकास और रखरखाव के लिए किया जाएगा।

- ओवरबर्डन का उपयोग पट्टा क्षेत्र के चारों ओर बांध के विकास के लिए किया जाएगा।
- शेष ओवरबर्डन का उपयोग खदान के क्रमिक बंद होने के दौरान खनन किए गए गड्ढों को भरने के लिए किया जाएगा। सीजी एमएमआर 2015 के अनुसार लागू रॉयल्टी और शुल्कों के भुगतान के बाद इस क्षेत्र से ओवरबर्डन का परिवहन किया जा सकता है।

5. पर्यावरण पर प्रभाव को कम करने के उपाय तथा निर्वहन या निपटान का तरीका

- खनन गतिविधि से पहले ऊपरी मिट्टी को हटाकर पट्टा क्षेत्र में संग्रहित किया जाएगा, जिसका उपयोग वृक्षारोपण के लिए किया जाएगा।
- पट्टा क्षेत्र से उत्खनित डोलोमाइट पत्थर पूरी तरह से बिक्री योग्य होगा, जिससे पट्टा क्षेत्र में कोई डंप नहीं होगा।
- अर्ध-यंत्रिकृत खुली खदान विधि से खनिजों का उत्खनन और लदान, खनन कार्य के कारण, सामान्य खदानों से उत्सर्जन बहुत कम होता है। इससे क्षेत्र की वायु गुणवत्ता और ध्वनि की गुणवत्ता पर न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा।
- संकल्पनात्मक अवधि के अंत में, उत्खनित खदान को जल भंडार में परिवर्तित कर दिया जाएगा ताकि सिंचाई और मछलीपालन जैसे स्थानीय उपयोगों के लिए पानी की आपूर्ति की जा सके और साथ ही भूजल क्षमता में सुधार हो सके।

6. परियोजना की पूंजीगत लागत, पूरा होने का अनुमानित समय –

संपूर्ण परियोजना की कुल लागत 167.50 लाख रुपये होगी। यह एक खनन परियोजना है जहाँ सरकार के साथ खनन हेतु समझौते और आवेदक को कार्य आदेश की तिथि से 50 वर्ष के लिए पट्टा प्रदान किया जाना है।

7. परियोजना के लिए चयनित स्थल-भूमि की प्राकृतिक स्थिति-कृषि (एकल/दोहरी फसल), बंजर,सरकारी/निजी भूमि अधिग्रहण की स्थिति, निकटवर्ती (2-3 किमी के भीतर) जल निकाय, जनसंख्या, 10 किमी के भीतर अन्य उद्योग, वन, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र, सुगम्यता –

- **भूमि विवरण** : झालरौंडा डोलोमाइट खदान का खनन पट्टा क्षेत्र 9.589 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है।
- **जल निकाय** : निकटतम जल निकाय बोरार्ई नदी है जो खनन क्षेत्र से 5.00 किमी की दूरी पर बहती है।
- **पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र** : परियोजना स्थल के आसपास 10 किलोमीटर के भीतर कोई राष्ट्रीय उद्यान या वन्य जीव अभयारण्य नहीं है।
- **वन भूमि** : छीतापंडरिया रिजर्व वन परियोजना स्थल से 1.44 किमी. की दूरी पर है।

- 10 किमी के भीतर उद्योग : 10 किमी के भीतर कोई नहीं।
- जनसंख्या : हालिया जनगणना (2011) के अनुसार, अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या (परियोजना स्थल से 10 किलोमीटर की परिधि में) 5,60,727 है। 1,19,958 घरों में जनसंख्या निवास करती है। पुरुषों की जनसंख्या 2,81,398 और महिलाओं की जनसंख्या 2,79,329 है। अध्ययन क्षेत्र में सबसे अधिक जनसंख्या नवागढ (226114) में है।

पहुँच—

1. बिलासा देवी केवट हवाई अड्डा परियोजना स्थल से 80.00 किमी दूर है।
2. निकटतम जेठा रेलवे स्टेशन परियोजना स्थल से लगभग 8.70 किमी दूर है।
3. निकटतम बस स्टैंड छीतापंडरिया बस स्टैंड है जो परियोजना स्थल से 1.00 किमी दूर है।
4. निकटतम राजमार्ग बिलासपुर—रायगढ राजमार्ग है जो परियोजना स्थल से 8.75 किमी दूर है।

8. आधारभूत पर्यावरणीय आँकड़े— वायु गुणवत्ता, सतही और भूजल गुणवत्ता, मिट्टी विशेषताएँ, वनस्पति और जीव-जंतु, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, आस-पास की आबादी –

विशिष्ट	स्थानों की संख्या	विवरण
वायु गुणवत्ता निगरानी विश्लेषण	8 जगहों पर सैंपलिंग की गई	PM ₁₀ – 45 to 63 µg/m ³ . PM _{2.5} – 11 to 27 µg/m ³ . SO ₂ – 6 to 17 µg/m ³ . NO _x – 9 to 21 µg/m ³ . CO – 0.5 to 0.8 µg/m ³ .
शोर स्तर का विश्लेषण	8 स्थानों पर निगरानी की गई	दिन के समय शोर का स्तर:– 56.3 to 62.1 dB (A) रात के समय शोर का स्तर:– 47.0 to 54.60 dB (A)
पानी का विश्लेषण	5 स्थानों पर भूजल के नमूने लिए गए	PH :- 7.3 to 7.5 TDS :- 397to 547 mg/l Total Hardness :- 252 to 340 mg/l Chlorides :- 48 mg/l to 84 mg/l; Sulphates : - 53 to 65 mg/L
	सैंपलिंग:– 7 सतही जल पर	PH – 7.3 to 7.8 Dissolved Oxygen – 5.5 to 6.1 mg/L Total Dissolved Solids – 220 to 597 mg/L Chlorides – 41 to 122 mg/L Sulphates – 28 to 74 mg/L Total Hardness – 118 to 314 mg/L
मृदा विश्लेषण	8 जगहों पर सैंपलिंग की गई	PH – 7.3 to 7.8 Nitrogen – 156 to 184 kg/ha Phosphorus – 62 to 83 kg/ha Potassium – 346 to 457 kg/ha

वनस्पति : कोर क्षेत्र परियोजना स्थल (ए) में बहुत कम वनस्पति शामिल है जो क्लस्टर क्षेत्र (कोर जोन) के भीतर बहुत कम है। कोर जोन में आम तौर पर देखी जाने वाली वृक्ष प्रजातियाँ हैं— टर्मिनलिया अर्जुन (अर्जुन), शोरिया रोबस्टा (साल), अज्दिराच्टा इंडिका (नीम), जबकि लैटानाकेमेरा (गनेरी), कैलोट्रोपिस-गिगांटिया (आक) जैसी झाड़ियाँ। अध्ययन क्षेत्र में डेस्मोडियम ट्राइफोलियम (तिनपतिया) और वर्नोनिया सिनेरिया (सहदेवी) प्रमुख हैं। सर्वेक्षण के दौरान अध्ययन क्षेत्र के आसपास कोई भी विलुप्त और स्थानिक जीव या वनस्पति नहीं पाई गई।

जीव-जंतु : फुनम्बुलस पेनेंटी (गिलहरी) जैसे स्तनधारी देखे गए और परियोजना स्थल (कोर जोन) में पक्षी-जीवों में सामान्यतः देखी जाने वाली स्थानीय पक्षी प्रजातियाँ जैसे कोरासियास बेंघालेंसिस (भारतीय रोलर), हाउस क्रो (कोर्वस स्प्लेंडेंस), मेरोप्स ओरिएंटलिस (ग्रीन बी-ईटर), डिक्कुरस मैक्रोसेरकस (ब्लैक ड्रॉगो) और सिटाकुला क्रैमेरी (गुलाबी रिंग वाला तोता) आदि भी कोर जोन में पाए गए।

सामाजिक-आर्थिक : हालिया जनगणना (2011) के अनुसार, अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या (परियोजना स्थल से 10 किलोमीटर की परिधि में) 5,60,727 है। अध्ययन क्षेत्र की कार्यशील जनसंख्या 3,10,179 है, जबकि गैर-कार्यशील जनसंख्या 2,50,548 है, जिसमें 15 वर्ष से कम आयु की जनसंख्या, काम न करने की इच्छा रखने वाली जनसंख्या और सेवानिवृत्ति की आयु के बाद की जनसंख्या भी शामिल है। कार्यशील पुरुष जनसंख्या में 1,67,871 और महिला जनसंख्या 1,42,308 है, जबकि 1,13,527 पुरुष और 1,37,021 गैर-कार्यशील महिलाएँ हैं।

कुल	कुल गाँव	कुल जनसंख्या	कुल काम करने वाली जनसंख्या	काम करने वाली जनसंख्या		कुल गैर-कामकाजी जनसंख्या	गैर-कामकाजी जनसंख्या	
				पुरुष	महिला		पुरुष	महिला
	102	5,60,727	3,10,179	1,67,871	1,42,308	2,50,548	1,13,527	1,37,021

9. खतरनाक सामग्री के संचालन, प्रसंस्करण और भंडारण में खतरों की पहचान और जोखिम को कम करने के लिए सुरक्षा प्रणाली प्रदान की गई –

इस प्रक्रिया में कोई भी खतरनाक सामग्री शामिल नहीं है क्योंकि यह डोलोमाइट पत्थर खनन परियोजना है। निर्माण सामग्री (परिचालन और खनन चरण के दौरान) को संभालने, संग्रहीत करने और उपयोग करने के लिए अधिकांशतः गैर-खतरनाक प्रकार की सामग्री होती है।

10. परियोजना का वायु, जल, भूमि, वनस्पति-जीव तथा आस-पास की आबादी पर संभावित प्रभाव –

क्र.	विशिष्ट	प्रदूषण के संभावित स्रोत	प्रदूषण का परिमाण	नियंत्रण के उपाय	जम्मेदारी	निर्धारित समय – सीमा	निगरानी
1	वायु	- वाहनों की आवाजाही - उत्खनन - विस्फोट - लोडिंग और अनलोडिंग - पत्थर /ओवरबर्डन का परिवहन	उच्च	- मोबाइल सिंक्रलर - तेज ड्रिल बिट्स से गीली ड्रिलिंग - वृक्षारोपण - वाहनों का आवधिक रखरखाव - पीयूसी प्रमाणित वाहन - बैरिकेड्स जो धूल अवरोधक के रूप में कार्य करते हैं। - पार्किंग प्रावधान और उचित यातायात व्यवस्था	ईएमपी सेल	6 माह	सप्ताह में दो बार
2	शोर और कंपन	- विस्फोट और कंपन - वाहन की आवाजाही - मशीनरी संचालन	मध्यम	- वृक्षारोपण - नियंत्रित ब्लास्टिंग और नोनील का उपयोग - रॉक ब्रेकर का उपयोग करके द्वितीयक विस्फोट से बचें - श्रमिकों के लिए पीपीई किट - उपकरणों के लिए बाड़े (यदि कोई हो तो क्रशर) - बैरिकेड्स जो शोर अवरोधक के रूप में कार्य करते हैं। - रैंप और हॉल रोड का रखरखाव - वाहनों का आवधिक रखरखाव – स्नेहन, मफलिंग और आधुनिकीकरण - रात्रि के समय ध्वनि प्रदूषणकारी कार्य न करें	ईएमपी सेल	6 माह	माह में एक बार
3	जल	- खदान जल निकासी - घरेलू सीवेज - तेल रिसाव	उच्च	- गारलैंड नालियाँ। - सेप्टिक टैंक और सोक पिट सहित अस्थायी शौचालय। - जलाशय में कोई अपशिष्ट जल नहीं छोड़ा जाएगा। - मशीनों और उपकरणों से तेल के रिसाव को रोका जाएगा।	ईएमपी सेल	12 माह	तिमाही में एक बार
4	भूमि	- सर्वोत्तम मृदा गुणवत्ता	मध्यम	- मोबाइल सिंक्रलर। - गीली ड्रिलिंग। - वृक्षारोपण। - नियंत्रित ब्लास्टिंग।	ईएमपी सेल	6 माह	साल में एक बार
5	ठोस अपशिष्ट	- ओवरबर्डन डंप - घरेलू ठोस	मध्यम	- पुनर्ग्रहण योजना - ओबी प्रबंधन - रॉयल्टी के भुगतान पर ओबी का परिवहन	ईएमपी सेल	खदान का जीवन काल	माह में एक बार

				- निपटान टैंक			
6	भूमि उपयोग	- भूमि उपयोग में परिवर्तन	उच्च	- पुनर्ग्रहण योजना - वाहनों और उपकरणों से तेल, डीजल आदि के रिसाव से बचने के लिए सावधानियां बरती जाएंगी।	ईएमपी सेल	खदान का जीवन काल	संकल्पन आत्मक चरण पर
7	पारिस्थितिकी और जैव विविधता	- वाहनों की आवाजाही - भूमि उपयोग में परिवर्तन	मध्यम	- वृक्षारोपण - सीमा/बाड का निर्माण - स्थानीय लोगों को शिक्षित करना	ईएमपी सेल	6 माह	माह में एक बार
8	जोखिम और खतरा	- जलप्लावन - ढलान टूटना - विस्फोट - आग	उच्च	- खदान के नाबदान का विकास - जल निकासी और निपटान टैंक के लिए पंप - डंप ढलान स्थिरीकरण - गारलैंड नालियाँ - अग्निशामक यंत्र	ईएमपी सेल	12 माह	माह में एक बार
9	सामाजिक-आर्थिक	- कृषि भूमि का नुकसान - विस्फोट - जल उपलब्धता में कमी/हानि - खनन गतिविधियों के कारण स्वास्थ्य पर प्रभाव	उच्च	- स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जाएगा - गीली ड्रिलिंग, - मोबाइल सिंक्रलर, - नियंत्रित ब्लास्टिंग - जन सुनवाई अनुपालन - सीईआर - प्राथमिक उपचार और आवधिक चिकित्सा जाँच	ईएमपी सेल	12 माह	साल में एक बार

11. प्राकृतिक या संयंत्र आपात स्थिति के मामले में आपातकालीन तैयारी योजना –

आपदा के प्रभाव को तैयारी, न्यूनीकरण और घटना-पश्चात पुनर्वास कार्यों के माध्यम से काफी हद तक कम किया जा सकता है। प्रस्तावित परियोजना में खतरे की पहचान के आधार पर, एक आपातकालीन योजना तैयार की गई है और परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा जिला अधिकारियों के समन्वय से, क्षति को न्यूनतम करने के लिए उसी योजना को क्रियान्वित किया जाएगा।

12. जन सुनवाई के दौरान उठाए गए मुद्दे – अभी तक नहीं किया गया है।

13. सीएसआर/सीईआर योजना –

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या एफ. संख्या 22-65/2017-IA-III दिनांक 01/05/2018 और 30/09/2020 के पैरा 3 और 6 के अनुसार, CER को EMP में शामिल किया गया है जो B1 परियोजनाओं के लिए CSR के स्थान पर लागू है। उत्पादन के दौरान, खदान मालिक रॉयल्टी का भुगतान करेगा और इसका 30-35% DMF और उपकर

के रूप में राज्य सरकार को देगा। राज्य सरकार स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं और क्षेत्रीय विकास को प्राथमिकता देते हुए, प्रभावित क्षेत्र में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) गतिविधियों के लिए DMF निधि का उपयोग करेगी। सीईआर के लिए प्रस्ताव नीचे दिया गया है—

क्र	आवेदक का नाम	केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड, छत्तीसगढ़ के आधार पर लागू क्षेत्र के आसपास की भूमि का वर्तमान अनुमानित बाजार मूल्य	शौचालय के साथ कार्यालय और विश्राम गृहों की लागत	मशीनरी और उपकरणों की लागत	विविध लागत	कुल परियोजना लागत (लाखों में)	खर्च किए जाने वाले पूंजी निवेश का प्रतिशत	सीईआर के लिए आवश्यक राशि (रु. में)
1.	मेसर्स छत्तीसगढ़ रिसोर्सेस	152.50	5.00	5.00	5.00	167.50	2%	3,35,000

14. व्यावसायिक स्वास्थ्य उपाय—

व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य, उत्पादकता और अच्छे नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों से बहुत निकटता से जुड़ा हुआ है। डोलोमाइट स्टोन खनन परियोजना के खनन में व्यावसायिक स्वास्थ्य के कारक मुख्यतः धूल और भूमि क्षरण हैं। संचालन और रखरखाव आदि के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा खान नियमों और विनियमों के अनुसार होगी।

खानों में शामिल व्यावसायिक खतरे धूल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, उपकरणों से चोट लगने और ऊँचे स्थानों से गिरने से संबंधित हैं। डीजीएमएस ने इन व्यावसायिक खतरों से सुरक्षा के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। प्रबंधन इन दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करेगा।

15. परियोजना पश्चात निगरानी योजना—

परियोजना-पश्चात पर्यावरण निगरानी, मानवजनित कारकों के प्रभाव में पर्यावरण की स्थिति में परिवर्तनों के अवलोकन, आकलन और पूर्वानुमान की एक जटिल प्रणाली है, निगरानी, परिवर्तनों का आकलन और पूर्वानुमान करने के लिए इष्टतम संख्या में मापदंडों के साथ अवलोकन की एक सूचना प्रणाली है।